Seventeenth Loksabha

an>

Title : To streamline unregulated powercuts in Kashmir

श्री हसनैन मसूदी (अनन्तनाग) : जनाब, एक बड़ा अर्जेंट मसला उठाने का मौका देने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया। आजकल कश्मीर में सब-जीरो टेम्परेचर है। वहां सिफर से नीचे पारा चला गया है। वहां आज जो बिजली की फराहमी है, वह सबसे कम है। यह इस साल अनप्रेसिडेंटेड है और अनरेगुलेटेड पावर कट्स हैं। जो शट डाउन हैं, इनको स्ट्रीमलाइन कीजिए। यह तवक्को की जा रही थी कि पावर स्ट्रीमलाइन की जाए और उसकी जो सप्लाई है, वह ज्यादा बेहतर बनाई जाए। लेकिन, उसके मुकाबले इस साल हालत और भी बदतर हो गई है। मेरी यह गुज़ारिश होगी कि वहां पर 2500 मेगावाट की रोजाना बिजली की जरूरत है, लेकिन उसके मुकाबले में सिर्फ 1600 मेगावाट के करीब सप्लाई की जाती है। वहां जो भी पावर कट्स और शट डाउन हैं, लोकली स्ट्रीमलाइन किए जाएं और रेगुलेट किए जाएं। दूसरी बात यह है कि यहां से बिजली की जो फराहमी है, वह इन्क्रीज की जाए, ताकि ऑप्टिमम लेवल तक 2500 मेगावाट या जो भी रिक्वायरमेंट हो, वहां उतनी बिजली फराहम की जाए। वहां लोग सब-जीरो टेम्प्रेचर में हैं। इस वक्त टेम्प्रेचर फ्रीजिंग से नीचे चला गया है। उसमें उनको असुविधा न हो।